

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3003]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 21, 2016/अग्रहायण 30, 1938

No. 3003]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 21, 2016/AGRAHAYANA 30, 1938

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2016

का.आ. 4109(अ).—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव देने में हितबद्ध है, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, आक्षेप या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 या ई-मेल पते: eszmef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकेगा।

प्रारूप अधिसूचना

और, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य मध्य प्रदेश राज्य में रायसेन जिला में अवस्थित है जो क्षेत्र के 1201.29 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है;

और, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य में प्रचुर वनस्पति और जीव जन्तु और स्थानिक प्रजातियों की संख्या का आवास है। रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य में प्रचुर जैव विविधता है। इस वन्यजीव क्षेत्रों के अंतर्गत अर्ध-शुष्क वन्यजीव जोन-IVख गुजरात राजपूताना, रोजर और पवार वर्गीकरण के अंतर्गत वर्गीकृत है। इस अभयारण्य में क्षेत्र के सभी सामान्य पशु बसे हुए हैं जैसे मांसाहारी के बीच बाघ (पैंथरा टिगरिस), तेंदुआ (पैंथरा पारडस), भेड़िया (कैनिस लूपस), सियार (कैनिस औरैयस), भारतीय लोमड़ी (वुलपेस बेंगालेनिसिस), चित्तीदार लकड़बग्घा (हेयना हेयना), रीछ (मेलोरस यूसिनस) और शाकाहारी के बीच चित्तीदार हिरण (एक्सिस एक्सिस), सांभर (क्रेवस यूनिकलर), नील गाय (बोसेलफस

ट्रेगोकेसलस), चिकारा (गैज़ेला गैज़ेले बेन्नेटी), बनैला सूअर (सस स्क्रोफा), चौसिंगा (टेट्रासिरस क्वारडिकोनिस) और काला हिरण (एन्टिलोप कारवीकापरा) हैं। इसके अलावा, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य में मगरमच्छ/घड़ियाल भी दिखाई देते हैं।

और, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य में 129 वृक्षों की प्रजातियां, 73 जड़ी बूटियों और झाड़ियों की प्रजातियां, 33 पर्वतरोहियों और परजीवी की प्रजातियां, 35 घासों और बांस की प्रजातियां, 35 स्तनधारी, 205 पक्षियों, 14 मछली, 33 सरीसृपों और 10 उभयचरों की प्रजातियां अभिलिखित हैं।

और, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिक संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिक संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1), उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य की सीमा एक किलोमीटर तक के विस्तारित क्षेत्र को रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य पारिस्थितिक संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिक संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात्:--

1. पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं.—(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार, रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से 1 किलोमीटर तक है। पारिस्थितिक संवेदी जोन का क्षेत्र 546.52 वर्ग किलोमीटर है। वन्यजीव अभयारण्य और पारिस्थितिक संवेदी जोन के निर्देशांकों को क्रमशः उपाबंध- I और II में दिया गया है।

(2) पारिस्थितिक संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले निर्देशांकों और 72 ग्रामों की सूची उपाबंध-III के रूप में उपाबद्ध है।

(3) अक्षांश और देशांतर और सीमा वर्णन के साथ पारिस्थितिक संवेदी जोन का मानचित्र उपाबंध- IV के रूप में उपाबद्ध है।

2. पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.—(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में संलग्न अनुबंधों के सामंजस्य से आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) आंचलिक महायोजना राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होगी।

(3) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस तरह, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रूप तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के सामंजस्य और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी।

(4) आंचलिक महायोजना, पर्यावरणीय और पारिस्थितिक विचारों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के सभी संबद्ध विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:--

- (i) पर्यावरण ;
- (ii) वन ;
- (iii) नगर विकास ;
- (iv) पर्यटन ;
- (v) नगरपालिका ;
- (vi) राजस्व ;
- (vii) कृषि ;
- (viii) मध्य प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;

- (ix) सिंचाई; और
(x) लोक निर्माण विभाग।

(5) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो और आंचलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में और अधिक दक्षता और पारिस्थितिक अनुकूलता का संवर्धन करेगी।

(6) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिक और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे।

(7) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान और प्रस्तावित पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बंदोबस्तों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यंकन करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना स्थानीय समुदायों की जीवकोपार्जन को सुनिश्चित करने के लिए, पारिस्थितिक संवेदी जोन में विकास को पारिस्थितिक अनुकूल विकास के लिए विनियमित करेगी।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय-- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात् :-

(1) **भू-उपयोग** - पारिस्थितिक संवेदी जोन में वनों, उद्यान-कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, आमोद-प्रमोद के प्रयोजन के लिए चिन्हित किए गए पाकों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक और औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा :

परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर कृषि भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, स्थानीय निवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए और पैरा 4 की सारणी के स्तंभ (2) के अधीन मद सं. 12, 24, 29, 39 और सं. 40 के सामने सूचीबद्ध क्रियाकलापों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात होंगे, अर्थात् :-

- (i) पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों के लिए पर्यटकों के अस्थायी आवासन के लिए पारिस्थितिक अनुकूल आरामगाह जैसे टेंट, लकड़ी के मकान आदि ;
- (ii) विद्यमान सड़कों को चौड़ा और सुदृढ़ बनाना ;
- (iii) प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योग ;
- (iv) कुटीर उद्योग, जिसके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग, सुविधा भंडार और स्थानीय सुख-सुविधाएं हैं; और
- (v) हिम और वर्षा जल संचयन:

परंतु यह और कि जनजातीय भूमि का उपयोग राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या उद्योग विकास क्रियाकलापों के लिए अनुज्ञात नहीं होगा :

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंज्ञात कोई त्रुटि, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार संशोधित होगी और उक्त त्रुटि के संशोधन की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को देनी होगी।

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त त्रुटि का संशोधन में इस उप-पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा।

परंतु यह और भी कि जिससे हरित क्षेत्र में जैसे वन क्षेत्र, कृषि क्षेत्र आदि में कोई पारिणामिक कटौती नहीं होगी और अनप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत** -- आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और पुनरुद्भूतकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के लिए ऐसी रीति से मार्गनिर्देश तैयार किए जाएंगे।

(3) **पर्यटन** -- (क) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप पर्यटन महायोजना के अनुसार होंगे जो कि आंचलिक महायोजना के भाग रूप में होगी।

(ख) पर्यटन महायोजना पर्यटन विभाग, वन और पर्यावरण विभाग के परामर्श से राज्य सरकार द्वारा तैयार होगी।

(ग) पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नलिखित के अधीन विनियमित होंगे, अर्थात् :-

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा जारी पारिस्थितिक पर्यटन (समय-समय पर यथा संशोधित) मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार, पारिस्थितिक पर्यटन, पारिस्थितिक शिक्षा और पारिस्थितिक विकास को महत्व देते हुए पारिस्थितिक संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन पर आधारित होगा;

(ii) पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों से संबंधित पर्यटकों के अस्थायी अधिभोग के आवास के सिवाय रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर नए होटलों और विश्रामस्थलों के सन्निर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ;

परन्तु पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक संरक्षित क्षेत्रों की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं के लिए पूर्व-परिभाषित और अभिहित क्षेत्रों में ही नए होटलों और विश्रामस्थलों की स्थापना की अनुज्ञा दी जाएगी।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया होगा।

(4) **नैसर्गिक विरासत** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे सभी जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाओं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और उन्हें परिरक्षित किया जाएगा तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर, उपयुक्त योजना बनाई जाएगी और ऐसी योजना आंचलिक महायोजना का भाग होगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल** - पारिस्थितिक संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान करनी होगी और अंतिम अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से छह माह के भीतर उनके संरक्षण की योजनाएं तैयार करनी होगी तथा आंचलिक महायोजना में सम्मिलित की जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार और मध्य प्रदेश राज्य का पर्यावरण विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा।

(7) **वायु प्रदूषण** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार और मध्य प्रदेश राज्य का पर्यावरण विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा।

(8) **बहिस्त्राव का निस्सारण** -- पारिस्थितिक संवेदी जोन में उपचारित बहिस्त्राव का निस्सारण, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट** - ठोस अपशिष्टों का निपटान निम्नलिखित रूप में होगा -

(क) पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(आ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 नगरपालिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ;

(ख) स्थानीय प्राधिकरण जैव निम्नीकरणीय और अजैव निम्नीकरणीय संघटकों में ठोस अपशिष्टों के संपृथक्करण के लिए योजनाएं तैयार करेंगे ;

- (ग) जैव निम्नीकरणीय सामग्री को अधिमानतः खाद बनाकर या कृमि खेती के माध्यम से पुनःचक्रित किया जाएगा ;
- (घ) अकार्बनिक सामग्री का निपटान पारिस्थितिक संवेदी जोन के बाहर पहचान किए गए स्थल पर किसी पर्यावरणीय स्वीकृत रीति में होगा और पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों को जलाना या भस्मीकरण अनुज्ञात नहीं होगा।

(10) **जैव चिकित्सीय अपशिष्ट-** पारिस्थितिक संवेदी जोन में जैव चिकित्सीय अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.का.नि. 343(अ) तारीख 28 मार्च 2016 द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(11) **यानीय परिवहन -** परिवहन की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध अधिकथित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के द्वारा अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय गतिविधियों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(12) **औद्योगिक इकाइयां -** (क) प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन में विधि के अनुसार स्थापित विद्यमान काष्ठ आधारित उद्योगों के सिवाए नए काष्ठ आधारित उद्योगों की स्थापना को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

(ख) जल, वायु, मृदा, ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले किसी नए उद्योग की प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन में स्थापना को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

4. पारिस्थितिक संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों की सूची - पारिस्थितिक संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तद्विना बनाए गए नियमों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :--

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)
प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
(1)	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और उनको तोड़ने की इकाइयां ।	(क) सभी नए और विद्यमान खनन (लघु और बृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और उनको तोड़ने की इकाइयां प्रतिषिद्ध हैं, सिवाय निवासियों की वास्तविक देशी आवश्यकताओं के नहीं होंगी, जिसके अंतर्गत गृहों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए मिट्टी की खुदाई और व्यक्तिक उपभोग के लिए गृहों के निर्माण के लिए देशी टाइलों या ईंटों का संनिर्माण भी है । (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के अंतरिम आदेश के अनुसरण में सर्वदा प्रचालन होगा ।
(2)	आरा मिलों की स्थापना ।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
(3)	किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(4)	जल या वायु या मृदा या ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर किसी नए और प्रदूषण कारित करने वाले विद्यमान उद्योगों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
(5)	नए बृहत जल विद्युत, सिंचाई	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।

	परियोजनाओं और थर्मल परियोजना का स्थापना ।	
(6)	मछली पालन ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(7)	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(8)	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्वाह और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(9)	वाणिज्यिक जल संसाधन जिसके अंतर्गत भू-जल संचयन भी है ।	(क) भूमि के अधिभोगी के वास्तविक कृषि और देशी खपत के लिए जल का निष्कर्षण (सतही और भूमिगत जल) अनुज्ञात होगा । (ख) औद्योगिक, वाणिज्यिक उपयोग के लिए सतही और भूमिगत जल का निष्कर्षण के लिए संबंधित विनियामक प्राधिकरण पूर्व लिखित अनुज्ञा अपेक्षित होगी जिसके अंतर्गत कितने परिणाम में वह निष्कर्षण करेगा, भी है । (ग) सतही जल या भूजल का विक्रय अनुज्ञात नहीं होगा । (घ) जल के संदूषण या प्रदूषण, जिसके अंतर्गत कृषि भी है, को रोकने के लिए सभी उपाय किए जाएंगे ।
(10)	प्लास्टिक के थैलों का उपयोग ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
(11)	विदेशी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
विनियमित क्रियाकलाप		
(12)	होटलों और रिसोर्टों की स्थापना ।	पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलाप से संबंधित पर्यटकों के अस्थायी अधिभोग के लिए वास सुविधा के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर तक या पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें जो भी निकट है, नये वाणिज्यिक होटल और रिसोर्ट अनुज्ञात नहीं होंगे : परन्तु वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर से परे और पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुरूप होगा । वाणिज्यिक पारिस्थितिक पर्यटन के साथ "वन्यजीव निवास में गैर वानिकी क्रियाकलापों के लिए दिशा-निर्देशों" के अनुसार जारी एफ. सं. 610/2011 वन्यजीव तारीख 15-03.2011 द्वारा पर्यावरण और वन मंत्रालय (वन्यजीव प्रभाग), नई दिल्ली और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देशों (यदि लागू हो) के साथ विनियमित किया जाएगा ।
(13)	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर तक या पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें जो भी निकट है, के भीतर किसी भी प्रकार का नया वाणिज्यिक संनिर्माण अनुज्ञात नहीं होगा: परन्तु स्थानीय व्यक्तियों को अपने आवासीय उपयोग, जिसके अंतर्गत पैरा 3 के उपपैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलाप भी हैं, के लिए अपनी भूमि पर संनिर्माण करने की अनुमति होगी ।

		<p>(ख) परंतु यह और कि प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप नियम या विनियम, यदि कोई लागू हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करने के पश्चात् अनुज्ञात होंगे।</p> <p>(ग) परन्तु, जहाँ पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार एक किलोमीटर से ज्यादा है तो वहाँ, एक किलोमीटर के पश्चात् और पारिस्थितिक संवेदी जोन के विस्तार तक स्थानीय व्यक्तियों की सद्भावी आवश्यकता के लिए संनिर्माण अनुज्ञात होगा तथा अन्य वाणिज्यिक संनिर्माण क्रियाकलाप आंचलिक महायोजना के अनुरूप होंगे।</p>
(14)	पर्यटन से संबंधित क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुब्बारों आदि द्वारा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(15)	सड़क, रेलवे और यातायात।	कोई नए राजमार्ग या रेलवे लाइन का संनिर्माण किया जाएगा। विद्यमान सड़कों और रेलवे के यातायात की रात में संख्या और गति (5 बजे से 6 बजे तक) विनियमित की जाएगी।
(16)	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्वाह और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(17)	वायु और यानिक प्रदूषण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(18)	ध्वनि प्रदूषण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(19)	भूमिगत जल की निकासी।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(20)	वृक्षों की कटाई।	<p>(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में किंहीं वृक्षों की कटाई नहीं होगी।</p> <p>(ख) वृक्षों की कटाई, संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।</p> <p>(ग) आरक्षित वनों और संरक्षित वनों के मामले में कार्य योजना निर्देशों का पालन किया जाएगा।</p>
(21)	विद्युत केबलों का परिनिर्माण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(22)	जैव निम्नीकरण योग्य सामग्री का पुनःचक्रण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(23)	विद्युत लाइनों का रोधन।	भूमिगत केबलों को प्रोत्साहन देना।
(24)	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना।	यथा लागू उचित पर्यावरण समाघात निर्धारण और न्यूनीकरण उपायों के साथ किया जाएगा।
(25)	होटलों और लॉज के विद्यमान परिसरों में बाड़ लगाना।	<p>लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।</p> <p>वन्यजीव के मुक्त संचरण को अनुज्ञात करने के लिए, पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर होटलों या अन्य वाणिज्यिक स्थापनों की कटीली तार से उनकी संपत्तियों को नहीं घेरा जाएगा और कोई घेरा 1 मीटर से ऊंचा नहीं होगा। इस अनुबंध का पालन न करने वाले किसी</p>

		विद्यमान घेरे को आंचलिक महायोजना में समय-सीमा के उपान्तरित किया जाएगा।
(26)	कृषि प्रणालियों में प्रबल परिवर्तन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(27)	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(28)	वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(29)	प्रदूषण कारित न करने वाले लघु उद्योग।	पारिस्थितिक संवेदी जोन में देशीय माल से उत्पादों का उत्पादन करने वाले गैर प्रदूषण, गैर परिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि उद्यान, कृषि या कृषि आधारित ऐसे उद्योग जो पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं डालते हैं, अनुज्ञात किए जाएंगे।
(30)	गैर काष्ठ वन उत्पादों के संग्रह।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(31)	ट्रेकिंग और कैम्पिंग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(32)	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	किसी भी संनिर्माण क्रियाकलाप पर जब तक अन्यथा आंचलिक महायोजना के तहत पहाड़ी ढलानों को 1 से 10 तक अधिक और किसी भी नदी के किनारे और प्राकृतिक नाले से 100 मीटर की दूरी तक के साथ कार्य शुरू करने की अनुमति दी जाएगी।
(33)	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(34)	पारिस्थितिक-पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
(35)	पुरानी/नई खाई भूमि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
संवर्धित क्रियाकलाप		
(36)	चल रही कृषि प्रथाओं, बागान और अन्य वानिकी क्रियाकलाप।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(37)	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(38)	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(39)	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर आदि भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(40)	हिम और वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(41)	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत का उपयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(42)	बागान और अन्य वानिकी क्रियाकलाप।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(43)	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(44)	पर्यावरणीय जागरूकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
(45)	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. पारिस्थितिक संवेदी जोन निगरानी समिति- केंद्रीय सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रभावी निगरानी के लिए एक निगरानी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

- | | | |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| (i) | प्रभागीय आयुक्त, भोपाल | - अध्यक्ष ; |
| (ii) | पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों से मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए नामनिर्दिष्ट प्रतिनिधि | - सदस्य; |
| (iii) | पारिस्थितिक और पर्यावरण के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ जिसे मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तीन वर्ष के लिए नामनिर्दिष्ट किया जाएगा | - सदस्य; |

(iv)	मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रतिनिधि	- सदस्य ;
(v)	मुख्य वन संरक्षक, भोपाल	- सदस्य
(vi)	जिला कलक्टर, रायसेन	- सदस्य ;
(vii)	अधीक्षण इंजीनियर, लोक स्वास्थ्य विभाग, रायसेन	- सदस्य;
(viii)	जिला पंचायत का मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रायसेन	- सदस्य;
(ix)	नगर और ग्राम योजना विभाग का जिला अधिकारी	- सदस्य
(x)	राज्य जैव विविधता बोर्ड का सदस्य	- सदस्य; और
(xi)	प्रभागीय वन अधिकारी, ओबेदुल्लागंज	- सदस्य-सचिव ।

6. निर्देश का निबंधन

(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को निगरानी करेगी ।

(2) निगरानी समिति की अवधि तीन वर्ष की होगी ।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण निकासी के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी ।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त, ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा ।

(6) निगरानी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक की राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट **उपाबंध V** पर उपाबद्ध रूप विधान के अनुसार उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निदेश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

(9) इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगे ।

7. इस अधिसूचना के उपबंध, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले किसी आदेश, यदि कोई हों, के अधीन होंगे ।

उपाबंध- I**रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य के निर्देशांक (क, ख, ग, घ)**

क्षेत्र	निर्देशांक	देशांतर	अक्षांश
रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य	क	77° 20' 9.817" पू	23° 2' 21.742" उ
	ख	77° 25' 39.132" पू	22° 48' 58.759" उ
	ग	78° 16' 31.158" पू	23° 8' 30.593" उ
	घ	78° 12' 19.342" पू	23° 17' 47.545" उ

उपाबंध-II**पारिस्थितिक संवेदी जोन के निर्देशांक (क1, ख1, ग1, घ1)**

क्षेत्र	निर्देशांक	देशांतर	अक्षांश
पारिस्थितिक संवेदी जोन	क1	77° 19' 2.020" पू	23° 2' 12.670" उ
	ख1	77° 25' 38.686" पू	22° 48' 24.792" उ
	ग1	78° 17' 7.044" पू	23° 8' 28.575" उ
	घ1	78° 12' 43.135" पू	23° 18' 53.787" उ

उपाबंध -III**पारिस्थितिक संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों का विवरण**

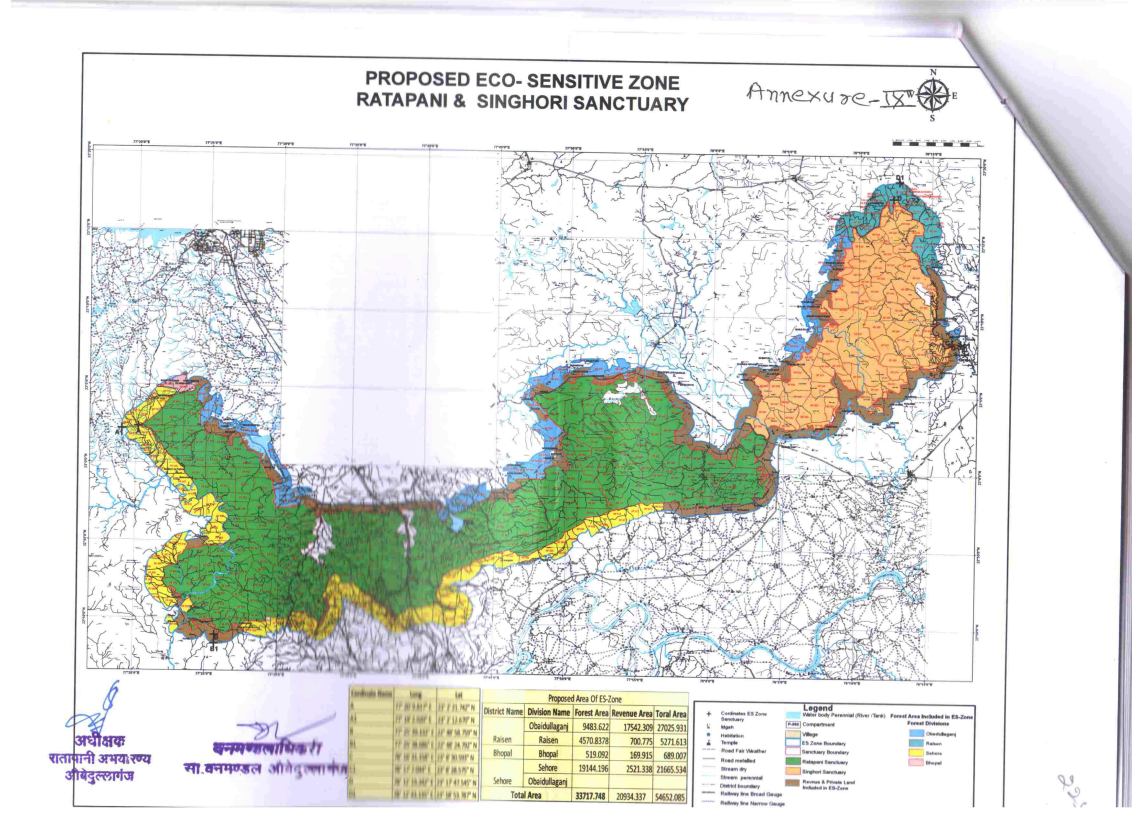
क्र. सं.	प्रभाग नाम	ग्रामों के नाम	निर्देशांक	
			अक्षांश	देशांतर
1	भोपाल	रबियावाड	23° 04' 6.968" उ	77° 21' 28.384" पू
2	भोपाल	बुरथी	23° 05' 5.480" उ	77° 23' 29.127" पू
3	भोपाल	प्रबाधन	23° 05' 4.885" उ	77° 23' 8.025" पू
4	भोपाल	स्ताहफन	23° 05' 5.871" उ	77° 22' 42.736" पू
5	भोपाल	पुनहा	23° 05' 5.474" उ	77° 22' 17.895" पू
6	भोपाल	बानपुर	23° 05' 5.504" उ	77° 21' 58.945" पू
7	ओबेदुल्लागंज	दमदोंगरी	23° 06' 12.053" उ	77° 50' 13.575" पू
8	ओबेदुल्लागंज	बमहोरी	23° 05' 56.313" उ	77° 52' 25.933" पू
9	ओबेदुल्लागंज	बिनेका	23° 04' 52.457" उ	77° 47' 55.976" पू
10	ओबेदुल्लागंज	बरी	23° 02' 25.432" उ	78° 04' 58.319" पू
11	ओबेदुल्लागंज	जेट	23° 05' 30.496" उ	77° 48' 27.788" पू
12	ओबेदुल्लागंज	थनवारी घटखेरी	23° 10' 0.702" उ	78° 07' 20.854" पू

13	ओबेदुल्लागंज	घाना कलान	23° 07' 12.102" उ	78° 05' 3.789" पू
14	ओबेदुल्लागंज	निवारी	23° 14' 18.020" उ	78° 08' 7.871" पू
15	ओबेदुल्लागंज	घोटी	23° 13' 30.485" उ	78° 08' 22.944" पू
16	ओबेदुल्लागंज	बमौला	23° 13' 6.619" उ	78° 08' 5.744" पू
17	ओबेदुल्लागंज	बहेरिया	23° 11' 41.009" उ	78° 07' 43.877" पू
18	ओबेदुल्लागंज	चोरा कमरौरा	23° 10' 56.911" उ	78° 06' 49.840" पू
19	ओबेदुल्लागंज	बिपतानगर	23° 06' 32.928" उ	78° 03' 23.997" पू
20	ओबेदुल्लागंज	अलामपुर	23° 06' 17.462" उ	78° 03' 40.431" पू
21	ओबेदुल्लागंज	करकबानी	23° 0' 6.924" उ	77° 46' 48.113" पू
22	ओबेदुल्लागंज	उमरिया	23° 0' 53.240" उ	77° 49' 0.496" पू
23	ओबेदुल्लागंज	बोरपानी	23° 0' 53.517" उ	77° 49' 36.896" पू
24	ओबेदुल्लागंज	मोकलवारा	23° 01' 15.227" उ	77° 49' 17.222" पू
25	ओबेदुल्लागंज	केसलवारा	22° 57' 22.067" उ	77° 33' 27.555" पू
26	ओबेदुल्लागंज	निशानखेरा	22° 57' 14.207" उ	77° 32' 54.947" पू
27	ओबेदुल्लागंज	कुमहरिया	22° 57' 53.752" उ	77° 31' 30.417" पू
28	ओबेदुल्लागंज	धबला	22° 58' 29.509" उ	77° 31' 15.799" पू
29	ओबेदुल्लागंज	निशानखेरा	23° 02' 21.082" उ	77° 27' 17.669" पू
30	ओबेदुल्लागंज	बिथोरी	23° 01' 53.801" उ	77° 26' 31.848" पू
31	ओबेदुल्लागंज	कुमरी	23° 02' 15.074" उ	77° 25' 48.020" पू
32	ओबेदुल्लागंज	वन चौकी	22° 58' 29.205" उ	77° 46' 10.503" पू
33	ओबेदुल्लागंज	जतनपुर	22° 58' 19.140" उ	77° 45' 41.574" पू
34	ओबेदुल्लागंज	घाटपिपालिया	23° 06' 15.659" उ	77° 56' 12.577" पू
35	ओबेदुल्लागंज	देहगांव	23° 05' 54.244" उ	77° 56' 52.952" पू
36	ओबेदुल्लागंज	खरी	22° 57' 40.113" उ	77° 41' 0.490" पू
37	ओबेदुल्लागंज	गोरीपुरा	22° 58' 1.001" उ	77° 44' 49.675" पू
38	ओबेदुल्लागंज	बंसगहन	22° 57' 33.282" उ	77° 40' 10.900" पू
39	ओबेदुल्लागंज	आमछा कलान	22° 57' 20.364" उ	77° 35' 1.636" पू
40	ओबेदुल्लागंज	आमछा खुर्द	22° 57' 14.126" उ	77° 36' 36.909" पू
41	ओबेदुल्लागंज	भीयानपुर	22° 57' 21.698" उ	77° 36' 46.618" पू
42	ओबेदुल्लागंज	अनकलपुर	22° 57' 14.889" उ	77° 37' 21.833" पू
43	ओबेदुल्लागंज	महवाखेरी	22° 57' 30.763" उ	77° 38' 29.498" पू
44	ओबेदुल्लागंज	ताजपुरा	22° 57' 30.279" उ	77° 38' 49.852" पू
45	ओबेदुल्लागंज	करीतलाई	22° 57' 27.350" उ	77° 39' 12.152" पू

46	ओबेदुल्लागंज	उदयगिरी	23° 04' 28.586" उ	78° 12' 12.469" पू
47	ओबेदुल्लागंज	दिमरिया	23° 02' 49.196" उ	78° 07' 3.789" पू
48	ओबेदुल्लागंज	पानगर	23° 02' 59.227" उ	78° 07' 48.075" पू
49	ओबेदुल्लागंज	रतनपुर	23° 03' 59.931" उ	78° 08' 54.526" पू
50	रायसेन	मधामाउ	23° 07' 42.702" उ	78° 16' 49.273" पू
51	रायसेन	पडरिया	23° 09' 59.341" उ	78° 16' 3.798" पू
52	रायसेन	जयपुरा	23° 08' 52.500" उ	78° 16' 46.364" पू
53	रायसेन	जामगढ़	23° 06' 32.691" उ	78° 15' 47.858" पू
54	रायसेन	समनापुर	23° 17' 26.018" उ	78° 10' 37.442" पू
55	रायसेन	बंदराल	23° 13' 22.925" उ	78° 14' 57.964" पू
56	सेहोरे	सीरवारा	23° 0' 56.849" उ	78° 03' 33.841" पू
57	सेहोरे	पतनी	23° 0' 0.215" उ	78° 04' 16.528" पू
58	सेहोरे	ईमलिया	22° 58' 3.875" उ	78° 02' 58.436" पू
59	सेहोरे	करकादेहरी	22° 57' 31.690" उ	78° 01' 45.815" पू
60	सेहोरे	मलझर	22° 57' 41.673" उ	78° 0' 50.921" पू
61	सेहोरे	अमरगढ़	22° 54' 5.162" उ	77° 45' 31.949" पू
62	सेहोरे	मिडघाट	22° 49' 44.382" उ	77° 39' 9.544" पू
63	सेहोरे	यारनगर	22° 49' 55.972" उ	77° 33' 48.856" पू
64	सेहोरे	बधनी	22° 49' 40.283" उ	77° 31' 19.455" पू
65	सेहोरे	नीमवालखेड़ा	22° 49' 26.180" उ	77° 28' 45.375" पू
66	सेहोरे	नदियाखेड़ा	22° 49' 34.933" उ	77° 28' 12.193" पू
67	सेहोरे	खेरी	22° 48' 47.432" उ	77° 24' 24.904" पू
68	सेहोरे	बरधा	22° 49' 38.849" उ	77° 25' 13.168" पू
69	सेहोरे	जोहलियापुर	22° 50' 42.227" उ	77° 23' 59.802" पू
70	सेहोरे	अमदोह	22° 51' 23.737" उ	77° 22' 45.028" पू
71	सेहोरे	बाबरियाखाल	22° 58' 54.070" उ	77° 23' 1.250" पू
72	सेहोरे	बरिझीरी का पथार	22° 59' 25.571" उ	77° 22' 51.898" पू

उपाबंध -IV

रातापानी और सिंघोरी वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिक संवेदी जोन का मानचित्र

उपाबंध V

पारिस्थितिक संवेदी जोन निगरानी समिति - की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुबंध में उपाबंध करें ।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना। (उपाबंध के अनुसार ब्यौरें संलग्न करें ।)
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए कार्यवाही किए गए मामलों का सार । (पारिस्थितिक संवेदी वार) (ब्यौरों को पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किया जा सकेगा।)
5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सार । ब्यौरों को पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किया जा सकेगा।
6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सार। ब्यौरों को पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किया जा सकेगा।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई परिवारों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय ।

[फा. सं. 25/35/2016-ईएसजेड/आरई]

डॉ. टी चांदनी, वैज्ञानिक 'जी'

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st December, 2016

S.O. 4109(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110003, or send it to the e-mail address of the Ministry at eszmef@nic.in.

Draft Notification

WHEREAS, the Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary spreads over an area of 1201.29 Square Kilometers is located in Raisen district in the State of Madhya Pradesh;

AND WHEREAS, the Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary is extremely rich in flora and fauna and harbours a number of endemic species. Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary are rich in biodiversity. These wildlife areas are classified into semi arid wildlife zone - IV B Gujarat Rajputana, under Roger and Pawar classification. The sanctuary is inhabited by all the usual animals of the region, such as Tiger (*Panthera tigris*) leopard (*Panthera pardus*), Wolf (*Canis lupus*), Jackal (*Canis aureus*), indian fox (*Vulpes bengalensis*), Striped hyena (*Hyaena hyaena*) Sloth bear (*Melursus ursinus*) among carnivores and spotted deer (*Axis axis*), Sambhar (*Cervus unicolor*), Nilgai (*Boselaphus tragocamelus*), Chinkara (*Gazella gazelle bennetti*), Wild pig (*Sus scrofa*), Chowsingha (*Tetracerus quadricornis*) and Blackbuck (*Antelope cervicapra*), amongst herbivores. Apart from these, crocodiles/gharials can also be seen in Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary.

AND WHEREAS, it contains 129 tree species, 73 herbs and shrubs species, 33 climbers and parasites, 35 grasses and bamboo species, 35 mammals, 205 birds, 14 fish, 33 reptiles and 10 species of amphibians have been recorded in Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary.

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area to the extent and boundaries of which is specified in paragraph 1 of this notification, around the protected area of Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary as Eco-sensitive zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone; and

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent one kilo meter around the boundary of Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary of the Eco-sensitive Zone (hereinafter referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone.—(1) The extent of Eco-sensitive Zone is one kilometre from the boundary of Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary. The area of Eco sensitive Zone is 546.52 square kilometres. The co-ordinates of Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone is given in **Annexure-I and II respectively**.

(2) The list of 72 villages and their co-ordinates falling under the said Eco-sensitive Zone is annexed as **Annexure-III**.

(3) The map of the Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes is appended as **Annexure-IV**.

2. Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone.—(1) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of

publication of final notification in the Official Gazette, in consultation with the local people and adhering to the stipulations given in this notification.

- (2) The Zonal Master Plan shall be approved by the competent authority in the State Government.
- (3) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.
- (4) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with all concerned State Departments, namely:-
 - (i) Environment;
 - (ii) Forest;
 - (iii) Urban Development;
 - (iv) Tourism;
 - (v) Municipal;
 - (vi) Revenue;
 - (vii) Agriculture;
 - (viii) Madhya Pradesh State Pollution Control Board;
 - (ix) Irrigation; and
 - (x) Public Works Department

for integrating environmental and ecological considerations into it.

- (5) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the said Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.
- (6) The Zonal Master Plan shall provide details for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that needs attention.
- (7) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, village and urban settlements, types and kinds of forests, tribal areas, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies.
- (8) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone so as to ensure eco-friendly development for livelihood security of local communities.

3. Measures to be taken by State Government.—The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

- (1) **Land use.**—Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or industrial related development activities:

Provided that the conversion of agricultural lands within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the State Government, to meet the residential needs of local residents, and for the activities listed against serial numbers 12, 24, 29, 39 and 40 in column (2) of the table in paragraph 4, namely:-

- (i) Eco-friendly cottages for temporary occupation of tourists, such as tents, wooden houses, etc. for eco-friendly tourism activities;
- (ii) Widening and strengthening of existing roads;
- (iii) Small scale industries not causing pollution;

- (iv) Cottage industries including village industries; and
- (v) Snow and rainwater harvesting;

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph:

Provided also that there shall be no consequential reduction in green area, such as forest area and agricultural area and efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas.

(2) **Natural springs.**—The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism.**—(a) The activity relating to tourism within the Eco-sensitive Zone shall be as per Tourism Master Plan, which shall form part of the Zonal Master Plan;

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the Department of Tourism, in consultation with the Department of Forests and Environment of the State Government;

(c) The activity of tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development and based on carrying capacity study of the Eco-sensitive Zone;

(ii) new construction of hotels and resorts shall not be permitted within one kilometre from the boundary of the Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary except for accommodation for temporary occupation of tourists related to Eco-friendly tourism activities:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be permitted only in pre defined and designated areas for Eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(iii) till the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee.

(4) **Natural heritage.**—All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc., shall be identified and preserved and plan shall be drawn up for their protection and conservation, within six months from the date of publication of this notification and such plan shall form part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.**—Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and plans for their conservation shall be prepared within six months from the date of publication of this notification and incorporated in the Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.**—The Environment Department of the State Government or the Madhya Pradesh State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981(14 of 1981) and the rules made thereunder.

(7) **Air pollution.**—The Environment Department of the State Government or the Madhya Pradesh State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of air pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) **Discharge of effluents.**—The discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974) and the rules made thereunder.

(9) **Solid wastes.**—Disposal of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal in Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Solid Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016 as amended from time to time;

(b) the local authorities shall draw up plans for the segregation of solid wastes into biodegradable and non-biodegradable components;

(c) the biodegradable material shall be recycled preferably through composting or vermiculture; and

(d) the inorganic material may be disposed in an environmentally acceptable manner at site(s) identified outside the Eco-sensitive Zone and no burning or incineration of solid wastes shall be permitted in the Eco-sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.**—The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R 343 (E), dated the 28th March, 2016, as amended from time to time.

(11) **Vehicular traffic.**—The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master Plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(12) **Industrial units.**—(a) No establishment of new wood based industries within the proposed Eco-sensitive Zone shall be permitted except the existing wood based industries set up as per the law.

(b) No establishment of any new industry causing water, air, soil, noise pollution within the proposed Eco-sensitive Zone shall be permitted.

4. **List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone.**—All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made thereunder, and be regulated in the manner specified in the table below, namely:-

TABLE

S. No.	Activity	Remarks
(1)	(2)	(3)
Prohibited activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited except for the domestic needs of <i>bona fide</i> local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing for personal consumption. (b) The mining operations shall strictly be in accordance with the orders of the Hon'ble Supreme Court dated the 4 th August, 2006 in the matter of T.N.

		Godavarman Thirumulpad Vs. Union of India in Writ Petition (Civil) No.202 of 1995 and order of the Hon'ble Supreme Court dated the 21 st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. Union of India in Writ Petition (Civil) No.435 of 2012.
2.	Setting up of saw mills.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
3.	Use or production of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Setting up of industries causing water or air or soil or noise pollution.	No new or expansion of polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted.
5.	Establishment of major thermal and hydro-electric projects.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
6.	Fishing.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
7.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
8.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
9.	Commercial water resources including ground water harvesting.	(a) The extraction of surface water and ground water shall be allowed only for <i>bona fide</i> agricultural use and domestic consumption of the occupier of the land; (b) The extraction of surface water and ground water for industrial or commercial use including the amount that can be extracted, shall require prior written permission from the concerned regulatory authority; (c) no sale of surface water or ground water shall be permitted; (d) steps shall be taken to prevent contamination or pollution of water from any source including agriculture.
10.	Use of polythene bags.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
11.	Introduction of exotic species.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
Regulated activities		
12.	Establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or up to the boundary of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer except for accommodation for temporary occupation of tourists related to eco-friendly tourism activities. Provided that, beyond one kilometre or up to the extent of the Eco-sensitive Zone, all new tourism activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Eco-Tourism Master Plan.

		Commercial eco-tourism establishments is to be regulated strictly in accordance with "The guidelines for taking non-forestry activities in Wild life habitats" issued vide F.No.610/2011 WL dated 15-03.2011 by the Ministry of Environment and Forest (WL Division), New Delhi and National Tiger Conservation Authority Guidelines (if applicable).
13.	Construction activities.	<p>(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within one kilometre from the boundary of protected area or up to the boundary of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer.</p> <p>Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their residential use including the activities listed in subparagraph (1) of paragraph 3:</p> <p>(b) Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per the applicable rules and regulations, if any.</p> <p>(c) Beyond one kilometre up to the extent of Eco-Sensitive Zone, construction for <i>bone fide</i> local needs shall be allowed and other construction activities and construction and augmentation of civic amenities shall be regulated as per the Zonal Master Plan.</p>
14.	Undertaking activities related to tourism like over-flying the national park area by aircraft, hot-air balloons.	Regulated under applicable laws.
15.	Road, railway and traffic.	No new Highway or Railway line construction will be done. Traffic of existing roads and railway should be regulated in number and speed in night (from 6 P.M to 5 A.M)
16.	Discharge of treated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Regulated under applicable laws.
17.	Air and vehicular pollution.	Regulated under applicable laws.
18.	Noise pollution.	Regulated under applicable laws.
19.	Extraction of ground water.	Regulated under applicable laws.
20.	Felling of trees.	<p>(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government.</p> <p>(b) the felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Acts and the rules made thereunder.</p> <p>(c) in case of Reserve Forests and Protected Forests, the Working Plan prescriptions shall be followed.</p>
21.	Erection of electric cables.	Regulated under applicable laws.

22.	Recycling of Bio degradable material.	Regulated under applicable laws.
23.	Insulation of electric lines.	Promote underground cabling.
24.	Widening and strengthening of existing roads.	Shall be done with proper Environment Impact Assessment and mitigation measures, as applicable.
25.	Fencing of existing premises of hotels and lodges.	Regulated under applicable laws. In order to allow free movement of wildlife, hotels or other commercial establishments within the Eco-sensitive Zone shall not fence their properties with barbed wire and no fence shall be higher than one meter. Any existing fence not complying with this stipulation shall be modified as per the time lines mentioned in the Zonal Master Plan.
26.	Drastic change of agriculture systems.	Regulated under applicable laws.
27.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated under applicable laws.
28.	Sign boards and hoardings.	Regulated under applicable laws.
29.	Small scale industries not causing pollution.	Non polluting, non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous goods from the Eco-sensitive Zone, and which do not cause any adverse impact on environment shall be permitted.
30.	Collection of Non-timber forest products.	Regulated under applicable laws.
31.	Trekking and camping.	Regulated under applicable laws.
32.	Protection of hill slopes and river banks.	No construction activity unless otherwise permitted under the Zonal Master Plan shall be undertaken on the hill with slopes more than 1 to 10 and also upto 100 meters from the banks of any river, and natural nallah.
33.	Solid Waste Management.	Regulated under applicable laws.
34.	Eco-Tourism.	Regulated under applicable laws.
35.	Old/new trenching ground	Regulated under applicable laws.
Promoted activities		
36.	Ongoing agriculture practices, plantation and other forestry activity.	Shall be actively promoted.
37.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
38.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
39.	Cottage industries including village artisans.	Shall be actively promoted.
40.	Snow or Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
41.	Use of renewable energy sources.	Shall be actively promoted.

42.	Plantation and other forestry activity.	Shall be actively promoted.
43.	Agro Forestry.	Shall be actively promoted.
44.	Environmental Awareness.	Shall be actively promoted.
45.	Skill Development.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- The Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee for effective monitoring of the Eco-sensitive Zone, which shall comprise of the following namely:-

- | | | |
|--------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| (i) | Divisional Commissioner, Bhopal | —Chairman; |
| (ii) | One representative of Non-Governmental Organisations working in the field of environment (including heritage conservation) to be nominated by the Government of Madhya Pradesh for a period of three years | —Member; |
| (iii) | An expert in the area of ecology and environment to be nominated by the Government of Madhya Pradesh for a period of three years | —Member; |
| (iv) | Representative of Madhya Pradesh Pollution Control Board | —Member; |
| (v) | Chief Conservator of Forests, Bhopal | —Member |
| (vi) | District Collector, Raisen | —Member |
| (vii) | Superintending Engineer, Public Health Dept. Raisen | —Member |
| (viii) | CEO of Zilla Panchayat, Raisen | —Member |
| (ix) | District Officer of Town and Country planning Department | —Member |
| (x) | Member of State Biodiversity Board | —Member; and |
| (xi) | Divisional Forest Officer, Obedullaganj - | —Member-Secretary |

6. Terms of Reference.-

- (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.
- (2) The tenure of the Committee shall be three years.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified in column(3) of the table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006 but are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified in column (3) of the table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Collector or the concerned work in-charge shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on 31st March of every year by 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State Ministry of Environment, Forest and Climate Change as per performa appended at **Annexure V**.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.
- (9) The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.
7. The provisions of this notification are subject to the orders, if any, passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal.

ANNEXURE- I**Co-ordinates of Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary (A,B,C,D)**

Area	Co-ordinates	Longitude	Latitude
Ratapani and Singhori Wildlife Sanctuary	A	77° 20' 9.817" E	23° 2' 21.742" N
	B	77° 25' 39.132" E	22° 48' 58.759" N
	C	78° 16' 31.158" E	23° 8' 30.593" N
	D	78° 12' 19.342" E	23° 17' 47.545" N

ANNEXURE- II**Co-ordinates of Eco-Sensitive Zone (A1,B1,C1,D1)**

Area	Co-ordinates	Longitude	Latitude
Eco-sensitive Zone	A1	77° 19' 2.020" E	23° 2' 12.670" N
	B1	77° 25' 38.686" E	22° 48' 24.792" N
	C1	78° 17' 7.044" E	23° 8' 28.575" N
	D1	78° 12' 43.135" E	23° 18' 53.787" N

ANNEXURE- III**Detail of Villages within the Eco-sensitive Zone**

S.no.	Division Name	Name of Villages	Co-ordinates	
			Lat.	Long.
1	Bhopal	RABIYAWAD	23° 04' 6.968" N	77° 21' 28.384" E
2	Bhopal	VURTHI	23° 05' 5.480" N	77° 23' 29.127" E
3	Bhopal	PRABADHAN	23° 05' 4.885" N	77° 23' 8.025" E
4	Bhopal	STAHPHAN	23° 05' 5.871" N	77° 22' 42.736" E
5	Bhopal	PUNHA	23° 05' 5.474" N	77° 22' 17.895" E
6	Bhopal	BANPUR	23° 05' 5.504" N	77° 21' 58.945" E

7	Obedullahganj	DAMDONGRI	23° 06' 12.053" N	77° 50' 13.575" E
8	Obedullahganj	BAMHORI	23° 05' 56.313" N	77° 52' 25.933" E
9	Obedullahganj	BINEKA	23° 04' 52.457" N	77° 47' 55.976" E
10	Obedullahganj	BARI	23° 02' 25.432" N	78° 04' 58.319" E
11	Obedullahganj	Jet	23° 05' 30.496" N	77° 48' 27.788" E
12	Obedullahganj	THANWARI GHATKHERI	23° 10' 0.702" N	78° 07' 20.854" E
13	Obedullahganj	GHANA KALAN	23° 07' 12.102" N	78° 05' 3.789" E
14	Obedullahganj	NIWARI	23° 14' 18.020" N	78° 08' 7.871" E
15	Obedullahganj	GHOTI	23° 13' 30.485" N	78° 08' 22.944" E
16	Obedullahganj	BAMUILA	23° 13' 6.619" N	78° 08' 5.744" E
17	Obedullahganj	BAHERIA	23° 11' 41.009" N	78° 07' 43.877" E
18	Obedullahganj	CHORA KAMRAURA	23° 10' 56.911" N	78° 06' 49.840" E
19	Obedullahganj	BIPTANAGAR	23° 06' 32.928" N	78° 03' 23.997" E
20	Obedullahganj	ALAMPUR	23° 06' 17.462" N	78° 03' 40.431" E
21	Obedullahganj	KARAKBANI	23° 0' 6.924" N	77° 46' 48.113" E
22	Obedullahganj	UMARIYA	23° 0' 53.240" N	77° 49' 0.496" E
23	Obedullahganj	BORPANI	23° 0' 53.517" N	77° 49' 36.896" E
24	Obedullahganj	MOKALWARA	23° 01' 15.227" N	77° 49' 17.222" E
25	Obedullahganj	KESALWARA	22° 57' 22.067" N	77° 33' 27.555" E
26	Obedullahganj	NISHANKHERA	22° 57' 14.207" N	77° 32' 54.947" E
27	Obedullahganj	KUMHARIYA	22° 57' 53.752" N	77° 31' 30.417" E
28	Obedullahganj	DHABLA	22° 58' 29.509" N	77° 31' 15.799" E
29	Obedullahganj	NISHANKHERA	23° 02' 21.082" N	77° 27' 17.669" E
30	Obedullahganj	BITHORI	23° 01' 53.801" N	77° 26' 31.848" E
31	Obedullahganj	KUMRI	23° 02' 15.074" N	77° 25' 48.020" E
32	Obedullahganj	FOREST CHAUKI	22° 58' 29.205" N	77° 46' 10.503" E
33	Obedullahganj	JATANPUR	22° 58' 19.140" N	77° 45' 41.574" E
34	Obedullahganj	GHATPIPALIYA	23° 06' 15.659" N	77° 56' 12.577" E
35	Obedullahganj	DEHGAON	23° 05' 54.244" N	77° 56' 52.952" E
36	Obedullahganj	KHARI	22° 57' 40.113" N	77° 41' 0.490" E
37	Obedullahganj	GORIPURA	22° 58' 1.001" N	77° 44' 49.675" E
38	Obedullahganj	BANSGAHAN	22° 57' 33.282" N	77° 40' 10.900" E
39	Obedullahganj	AMCHHA KALAN	22° 57' 20.364" N	77° 35' 1.636" E

40	Obedullahganj	AMCHHA KHURD	22° 57' 14.126" N	77° 36' 36.909" E
41	Obedullahganj	BHIYANPUR	22° 57' 21.698" N	77° 36' 46.618" E
42	Obedullahganj	ANKALPUR	22° 57' 14.889" N	77° 37' 21.833" E
43	Obedullahganj	MAHWAKHERI	22° 57' 30.763" N	77° 38' 29.498" E
44	Obedullahganj	TAJPURA	22° 57' 30.279" N	77° 38' 49.852" E
45	Obedullahganj	KARITALAI	22° 57' 27.350" N	77° 39' 12.152" E
46	Obedullahganj	UDAYAGIRI	23° 04' 28.586" N	78° 12' 12.469" E
47	Obedullahganj	DIMRIA	23° 02' 49.196" N	78° 07' 3.789" E
48	Obedullahganj	PANAGAR	23°02' 59.227" N	78° 07' 48.075" E
49	Obedullahganj	RATANPUR	23° 03' 59.931" N	78° 08' 54.526" E
50	Raisen	MADHAMAU	23° 07' 42.702" N	78° 16' 49.273" E
51	Raisen	PADARIYA	23° 09' 59.341" N	78° 16' 3.798" E
52	Raisen	JAIPURA	23° 08' 52.500" N	78° 16' 46.364" E
53	Raisen	JAMGARH	23° 06' 32.691" N	78° 15' 47.858" E
54	Raisen	SAMNAPUR	23° 17' 26.018" N	78° 10' 37.442" E
55	Raisen	BANDRAL	23° 13' 22.925" N	78° 14' 57.964" E
56	Sehore	Sirwara	23° 0' 56.849" N	78° 03' 33.841" E
57	Sehore	Patni	23° 0' 0.215" N	78° 04' 16.528" E
58	Sehore	Imaliya	22° 58' 3.875" N	78° 02' 58.436" E
59	Sehore	Karkadehri	22° 57' 31.690" N	78° 01' 45.815" E
60	Sehore	Maljhar	22° 57' 41.673" N	78° 0' 50.921" E
61	Sehore	Amargarh	22° 54' 5.162" N	77° 45' 31.949" E
62	Sehore	Midghat	22° 49' 44.382" N	77° 39' 9.544" E
63	Sehore	Yaarnagar	22° 49' 55.972" N	77° 33' 48.856" E
64	Sehore	Budhni	22° 49' 40.283" N	77° 31' 19.455" E
65	Sehore	Neemwalakheda	22° 49' 26.180" N	77° 28' 45.375" E
66	Sehore	Nadiakheda	22° 49' 34.933" N	77° 28' 12.193" E
67	Sehore	Kheri	22° 48' 47.432" N	77° 24' 24.904" E
68	Sehore	Bardha	22° 49' 38.849" N	77° 25' 13.168" E
69	Sehore	Johliapur	22° 50' 42.227" N	77° 23' 59.802" E
70	Sehore	Amdoh	22° 51' 23.737" N	77° 22' 45.028" E
71	Sehore	Babariakhal	22° 58' 54.070" N	77° 23' 1.250" E
72	Sehore	Barijhiri ka Pathar	22° 59' 25.571" N	77° 22' 51.898" E

ANNEXURE-V**Performa of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: mention main noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise);[Details may be attached as Annexure].
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006; [Details may be attached as separate Annexure].
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006;[Details may be attached as separate Annexure].
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

[F. No. 25/35/2016-ESZ-RE]

Dr. T. CHANDINI, Scientist 'G'